दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 17 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 21

महत्वपूर्ण एवं खास

एक बीघा जमीन के लिए की थी पांच लोगों की हत्या, चार को मिला आजीवन कारावास

अयोध्या (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक विशेष अदालत ने तीन नाबालिगों सहित पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने मुख्य आरोपी के माता, पिता और पत्नी को भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जो हत्या में शामिल पाए गए थे। अयोध्या के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, चुनाव आयोग अधिनियम के विशेष न्यायाधीश, अमित पांडे ने शनिवार को फैसला सुनाया। घटना अयोध्या जिले के इनायत नगर थाना क्षेत्र के बरिया निशारू गांव में 21 मार्च 2021 को हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और तीन नाबालिग बच्चों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। नाबालिग बच्चों की उम्र चार, सात और 10 साल थी। इस हत्याकांड के पीछे एक बीघा जमीन का विवाद था, जिसमें मुख्य आरोपी पवन कुमार ने अपने पिता रामराज, मां शेषमाता और पत्नी ममता की मदद से अपने मामा 36 वर्षीय राकेश, उनकी पत्नी ज्योति (32), पुत्र ध्रुव (4), शक्ति (7) और बेटी अंशिका (10) की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के लिए पवन ने कुल्हाड़ी का इस्तेमाल किया था। उसने नाबालिग बच्चों के हाथ-पैर भी काट दिए। अतिरिक्त जिला सरकारी वकील प्रवीण कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने घटना के अगले दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाह थे।

दो गुटों में हुई झड़प में बजरंग दल के कार्यकर्ता की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के रंजीत नगर में दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान नितेश के रूप में हुई है, जो बजरंग दल का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। भाजपा नेता और सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत उमेओ ने ट्विटर पर आरोप लगाया कि नितेश की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह एक हिंदू और बजरंग दल का कार्यकर्ता था। हालांकि, पुलिस ने उसके दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह दो समूहों के बीच की लड़ाई थी और इस मामले में कोई सांप्रदायिक एंगल नहीं है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को शादीपुर इलाके में दो गुटों में झड़प हो गई। अधिकारी ने बताया कि एक गुट में नितेश, आलोक और मोंटी थे जबकि दूसरी तरफ तीन अन्य युवक थे। रंजीत नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा, बहस होने के बाद दोनों के बीच लड़ाई हो गई। नितेश और आलोक घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। शुरू में, पीड़ितों ने पुलिस के सामने कोई बयान नहीं दिया। हमने आईपीसी की धारा 308 और 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने टीम गठित कर जांच शुरू कर दी। इस बीच इलाज के दौरान घायल नितेश ने दम तोड़ दिया। पुलिस को घटना का सीसीटीवी फुटेज मिल गया है। पुलिस ने कहा कि उसने मामले में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली है। आरोपियों की पहचान उफीजा, अदनान और अब्बास के रूप में हुई है। सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि नितेश और आलोक का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

मेडिकल के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दमोह (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के दमोह जिले के नोहटा थाना अंतर्गत ग्राम बनवार निवासी मेडिकल के एक छात्र ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दमोह जिले के नोहटा थाना अंतर्गत ग्राम बनवार निवासी राजेंद्र पाल (18) जबलपुर में रहकर मेडिकल साइंस की पढ़ाई कर रहा था। वह 3 दिन पूर्व ही जबलपुर से अपने गांव बनवार आया था। कल शाम उसके द्वारा घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी। परिजनों को जब इस बात की जानकारी लगी तो तत्काल ही पुलिस को सूचना दिए जाने पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

चीन-पाकिस्तान को राजनाथ सिंह की चेतावनी, बोले- देश की तरफ आंख उठाने वाले को करारा मिलेगा जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीन के साथ सीमा विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान दोनों को बिना नाम लिए चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने भारत पर बुरी नजर डालने की कोशिश की तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने जोर देते हुए कहा कि हमारे बहादुर जवान सीमाओं की कड़ी निगरानी कर रहे हैं। साथ ही देश किसी भी तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए सक्षम है।

चीन और पाकिस्तान को दी चेतावनी- एक वर्चुअल इवेंट में अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने चीन और पाकिस्तान को ये चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हमारा देश एक शांतिप्रिय देश है। हमने किसी भी देश को चोट पहुंचाने की कोशिश नहीं की, लेकिन अगर देश में शांति और सद्भाव को भंग करने या खतरे में डालने का कोई प्रयास कोई भी करेगा तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सशस्त्र बलों को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धिता को भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों को स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों से लैस करके सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रक्षा मंत्रालय ने भी उनके बयान को लेकर जानकारी साझा की है।

शहीदों के परिवारों का सहयोग राष्ट्रीय जिम्मेदारी- शहीदों के परिवार के सदस्यों के सहयोग को राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार सेवारत और सेवानिवृत्त सुरक्षा बलों के जवानों के परिजनों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने परिवार को एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत और सपोर्ट सिस्टम बताते हुए कहा कि सरकार उस सपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

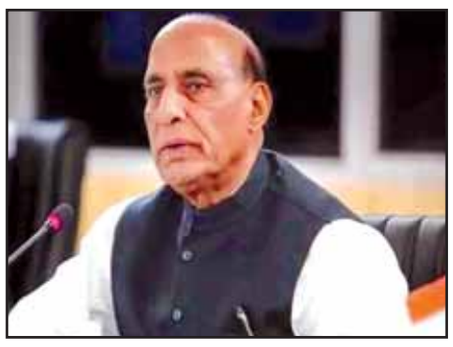

लोगों से की ये अपील- रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नागरिकों से सांप्रदायिकता से परे हटकर राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति के गुणों को आत्मसात करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल के जवान क्षेत्र, धर्म, जाति और भाषा की बाधाओं से ऊपर उठकर निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। वे देश और लोगों को विभिन्न प्रकार के खतरों से बचाते हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और सैनिकों के आदर्शों और संकल्पों को आगे ले जाए। हमारे देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करे और एक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर 'न्यू इंडिया' के निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। राजनाथ सिंह ने ये बातें शहीदों को सलाम नामक एक वर्चुअल इवेंट में कहीं। इसका आयोजन मारुति वीर जवान ट्रस्ट नामक एक गैर सरकारी संगठन द्वारा किया गया था।

उन्होंने इस बाबत कुछ पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि गृह मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान 'भारत के वीर' कोष का गठन केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों और अधिकारियों के परिवारों का समर्थन करने के लिए लिए गए प्रमुख फैसलों में से एक था। इसके अलावा, हाल ही में, रक्षा मंत्रालय ने 'मां भारती के सपूत' वेबसाइट लॉन्च की है, ताकि लोग सशस्त्र बलों के युद्ध हताहत कोष में अधिक योगदान कर सकें।

भारत-पाक युद्ध की जीवंत दास्तां कहानी 1971 युद्ध की

देहरादून (आरएनएस)। भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध के 50 साल पूरे हो चुके हैं। युद्ध में उत्तराखंड के सैकड़ों रणबांकुरों ने भाग लिया था। युद्ध पर आधारित पुस्तक कहानी 1971 युद्ध की धर्मनगर से सिलहट का लोकार्पण रविवार को किया गया। नवादा के कर्नल रॉक्स स्कूल में कार्यक्रम आयोजित हुआ। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि देश की जनता इसलिए चैन की सांस ले रही है क्योंकि सीमा पर हमारे रणबांकुरे मुस्तैद हैं। कर्नल (रि.) राकेश कुकरेती के संस्मरणों पर यह पुस्तक रोचक ढंग से लिखी गयी है। विशिष्ट अतिथि विधायक किशोर उपाध्याय और कर्नल अजय कोठियाल ने भी पुस्तक को सराहा। लेखिका इरा कुकरेती ने बताया कि जब उनकी शादी फौजी अफसर से हुई तो उन्हें लगा कि फौज के विभिन्न किस्सों को कलमबद्ध करें। साहित्यकार नीता कुकरेती ने पुस्तक का सार और उदेश्य बताया।

ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट बरामद

मुंबई (आरएनएस)। टीवी इंडस्ट्री से एक शॉकिंग खबर सामने आ रही है। मशहूर टीवी एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर ने इंदौर में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। एक्ट्रेस की आत्महत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर वहां पहुंचीं और एक्ट्रेस के शव को बरामद किया। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती तौर पर बॉयफ्रेंड के धोखे को एक्ट्रेस के सुसाइड की वजह माना जा रहा है। लेकिन, जांच होने के बाद ही पुलिस इसकी पुष्टि करेगी।

जिसका बंदा न हो वो पंखा घुमाए'- एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर ने छह दिन पहले ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सीलिंग फैन को दिखाते हुए एक रील शेयर की थी। एक्ट्रेस ने रील शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा था, जिसका बंदा/बंदी न हो, वो पंखा घुमाए। वहीं, एक्ट्रेस के फॉलोअर्स भी उनकी इस पोस्ट को मस्ती-मजाक समझते हुए फनी कमेंट्स कर रहे थे। एक यूजर ने लिखा भी कि 'इतना हाई लेवल वाला टाइम पास।'

'मैं तो तेरे लिए जान भी दे दूं'- वैशाली ठक्कर ने मौत से पांच दिन पहले भी एक रील वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में वो कहती है, बेबी तुम्हारे लिए एक गाना गाऊं'जिसके बाद वैशाली गाती हैं, दिल, 'दिल-जिगर नजर क्या है, मैं तो तेरे लिए जान भी दे दूं'।

एक्ट्रेस की मौत से फैंस हुए दुखी- वैशाली ठक्कर की मौत की खबर को सुन उनका परिवार और परिजन सदमे में हैं। टीवी इंडस्ट्री के कलाकार भी इस घटना पर दुख जता रहे हैं। सभी इस घटना के पीछे की सच्चाई जानना चाहते हैं कि आखिर क्या वजह रही थी कि वैशाली ने इस तरह का कदम उठाया।

टेंपो ट्रैवलर और दूध की गाड़ी की भिड़ंत, मंदिर से लौट रहे 9 श्रद्धालुओं की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। कर्नाटक के हासन जिले में भीषण सडक़ हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मंदिरों से लौट रहे थे। कर्नाटक के अर्सीकेरे तालुका के गांधीनगर के पास टेंपो यात्री वाहन और केएमएफ दूध वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि भीषण सडक़ हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई।

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा गांधीनगर के पास अरसिकेरे तालुका में हुआ। टेंपो ट्रैवलर और केएमएफ की दूध की गाड़ी की रफ्तार तेज बताई जा रही थी। दोनों गाडिय़ां आमने-सामने से टकरा गईं। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जांच में सामने आया है कि टेंपो ट्रैवलर में सवार लोग धर्मस्थल, सुब्रमण्यम और हसनम्बा मंदिरों के दर्शन करके अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में यह हादसा हो गया। पुलिस ने पीड़ितों के परिजनों को मामले की जानकारी दे दी है।

देश में नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

नई दिल्ली (आरएनएस)। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उत्तराखंड देश में नई शिक्षा नीति सबसे पहले लागू करने वाला राज्य बन गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को उत्तराखंड में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि महज दो दिन पहले ही शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत सरकार ने पूर्वी एशियाई देशों के साथ नई शिक्षा नीति की प्रमुख पहलों पर चर्चा की है। भारत ने शुक्रवार को वियतनाम के हनोई में आयोजित छठे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन शिक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) नीता प्रसाद ने वर्चुअल तौर पर बैठक को संबोधित किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख पहलों तथा ईएएस के भागीदार देशों के साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भारत के परस्पर सहयोग आधारित प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि एनईपी 2020, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप, शिक्षा के एक समग्र और बहु-संकाय से जुड़े दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देता है और यह पहुंच, समानता, गुणवत्ता, किफायती और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर आधारित है और एसडीजी 2030 के लक्ष्यों के साथ संतुलन स्थापित करता है।

उधर, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए उत्तराखंड सरकार को बधाई दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों को 03 साल से फॉर्मल एजुकेशन से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत बाल वाटिका शुरू की गई है, बाल वाटिका में 3 साल सीखने के बाद बच्चा पहली कक्षा में प्रवेश करेगा, तब उसकी उम्र 6 साल होगी। बच्चों को 21-22 साल की उम्र तक बेहतर एवं गुणात्मक शिक्षा के लिए उत्तराखड में 40 लाख बच्चों का टारगेट लेकर आगे बढऩा होगा। स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा,मेडिकल, पैरामेडिकल एवं अन्य को मिलाकर 35 लाख की व्यवस्था उत्तराखंड के पास पहले से ही है।

इससे पहले बीते दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई से आग्रह किया कि देशभर में बालवाटिका से लेकर 12वीं कक्षा तक सभी स्कूलों में मूल्य-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एक परामर्श ढांचा स्थापित करें, ताकि एक ऐसा टैलेंट पूल तैयार किया जा सके, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करने को तैयार हो और राष्ट्रीय प्रगति व वैश्विक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो।

बीते दिनों रामकृष्ण मिशन के एक कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा था कि ऐसे वक्त में जब हम एनईपी 2020 को लागू कर रहे हैं, तब कक्षा एक से 8वीं तक के लिए कार्यक्रम बनाने के अलावा इसे 9वीं से 12वीं के लिए ऐसे ही मूल्य-आधारित शैक्षिक कार्यक्रम बनाने पर भी जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये अनूठी पहल एनईपी 2020 के दर्शन के अनुरूप एक बच्चे के समग्र व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन शिक्षा के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। भौतिक धन से ज्यादा महत्वपूर्ण मूल्य और ज्ञान हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए तैयार और सामाजिक रूप से जागरूक पीढ़ी के निर्माण के लिए मूल्य आधारित शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है।

पीएम मोदी ने देश को दी बड़ी सौगात, 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में बैंकिंग सुविधाओं को देश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स को लॉन्च कर दिया है। पीएम मोदी ने सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जम्मू कश्मीर में दो डिजिटल बैंकिंग इकाइयों सहित देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां स्थापित करने की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री वित्तीय समावेशन को मजबूती देने के लिए देश भर के विभिन्न बैंकों की 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों को रविवार को राष्ट्र के नाम समर्पित किया।

इन नई डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स में जम्मू-कश्मीर की दो डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स भी शामिल हैं। इनमें से एक श्रीनगर के लाल चौक पर स्थित एसएसआई ब्रांच है जबकि दूसरी जम्मू की चन्नी राम ब्रांच है। यह योजना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगी। 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 12 निजी क्षेत्र के बैंक और एक लघु वित्त बैंक इस मिशन में भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने एटा में 04.1975 अरब की 255 परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण के बाद मंदिर पर लगाने के लिए एटा में बनेगा घंटा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनपद एटा के जवाहर तापीय विद्युत परियोजना परिसर मलावन में जनपद एटा के विकास से सम्बन्धित 04 अरब 19 करोड़ 75 लाख रुपये की 255 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज जनपद एटा नई पहचान व आभा के साथ आगे बढ़ रहा है। जनपद एटा में 12 हजार 300 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन संयंत्र लगाया जा रहा है। यह अगले वर्ष शुरू होगा, जिससे 1320 मेगावॉट विद्युत का उत्पादन होगा। सरकार ने यह तय किया है कि मार्च, 2023 तक यहां पर 660 मेगावॉट की पहली यूनिट कार्य करना प्रारम्भ कर दे। जून, 2023 तक दूसरी यूनिट को पूरा करते हुए विद्युत उत्पादन का कार्य शुरू हो जाए। यह विद्युत उत्पादन संयंत्र एटा को एक नई पहचान देगा। साथ ही, यहां के विकास में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। उन्होंने कुछ युवाओं को स्मार्ट फोन वितरित किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जनपद एटा की पहचान विकास से होती है। जनपद एटा में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है। एटा के जलेसर में बनने वाले घण्टे देश व दुनिया में धार्मिक अनुष्ठानों में बजकर यहां का स्मरण सभी को कराते हैं। यहां की घण्टी बजे बिना कोई अनुष्ठान पूरा नहीं होता है। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना में प्रदेश सरकार ने जनपद एटा के साथ इसे जोड़ा है। जनपद अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण के बाद मन्दिर पर लगाने के लिए जनपद एटा में एक भव्य घण्टा बनना है। इसकी आवाज सनातन धर्म के डंके को देश तथा दुनिया में पहुंचाने का कार्य करेगी। राज्य सरकार जनपद एटा को नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यहां के जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन आपकी सुरक्षा के प्रति मजबूती से खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में इस संकल्प के साथ सभी को जोड़ा है। सभी भारतवासी आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में 75 वर्षों की सफलता की कहानी के साक्षी बन रहे हैं। 75 वर्षों की यह यात्रा इस रूप में अनुपम है कि भारत इस वर्ष ब्रिटेन को पीछे कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। यह भारत की प्रगति की नई कथा कहती है। आधारभूत संरचना के कार्य, हाईवे, पावर प्लाण्ट, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, एक्सप्रेस-वेज आदि के निर्माण, यह सभी विकास की नई कहानी कहते हैं। यह विकास की गति को तीव्रता प्रदान करते है। शासन की विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस को उसके द्वार पर बिना किसी भेदभाव के पहुंचाने का कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शान्ति तथा समृद्धि के समय आम जन मानस तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह अच्छी बात है। लेकिन जब विपत्ति होती है, हर व्यक्ति अपनी जान को बचा रहा होता है, ऐसी स्थितियों में शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री जी के विजन के कारण सम्भव हो पाया है। कोरोना कालखण्ड में दुनिया के विकसित देश महामारी के सामने पस्त हो चुके थे। भारत दुनिया का एक मात्र देश था, जो जनता के जीवन और उनकी जीविका को बचाने के कार्य को मजबूती से आगे बढ़ा रहा था। देश में नि:शुल्क टेस्ट, वैक्सीन और खाद्यान्न की सुविधा प्रत्येक गरीब तक पहुंचाने के कार्यक्रम युद्ध स्तर पर चल रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने जनपदवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज सरकार की किसी भी योजना का लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है। प्रधानमंत्री जी के विजन के परिणामस्वरूप गरीब को उसका अधिकार प्राप्त हो रहा है।